ऑंकारेश्वर से उठा एकात्मता का संदेश

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया 'एकात्म पर्व' का भव्य शुभारंभ

नवभारत न्यूज

खंडवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में आदि शंकराचार्य के प्रकटोत्सव 'एकात्म पर्व' का दीप प्रज्वलित कर भव्य शुभारंभ किया। वैशाख शुक्ल पंचमी के अवसर पर शुरू हुए इस पंचदिवसीय आयोजन में वे जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती के सान्निध्य में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने 'अद्वैत लोक' एवं 'अक्षर ब्रह्म' प्रदर्शनी का लोकार्पण करते हुए वैदिक अनुष्ठानों में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य का अद्वैत दर्शन भारतीय संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक एकता का मूल आधार है। मध्यप्रदेश की पावन भूमि भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण और आदि शंकराचार्य के चरणों से धन्य हुई है, जो इसे सांस्कृतिक दृष्टि से विशिष्ट बनाती है।मुख्यमंत्री ने संस्कृत सेवा फाउंडेशन, पुणे के रोहन अच्युत कुलकर्णी द्वारा लिखित ग्रंथ वेदांत सिद्धांत चंद्रिका का विमोचन किया तथा एकात्म धाम की संकल्पना और विकास पर आधारित वेबसाइट का लोकार्पण भी किया।कार्यक्रम में अद्वैत दर्शन और एकात्मता पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार सनातन संस्कृति के मूल्यों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याण पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों को भी इसी दिशा में लागू किया जा रहा है।इस अवसर पर निवेदिता भि? ने एकात्मता को मानव शरीर से जोड़ते हुए कहा कि शरीर के अनेक अंग होने के बावजूद चेतना एक होती है, जो अद्वैत का सर्वोत्तम उदाहरण है। वहीं स्वामी शारदानंद सरस्वती ने आदि शंकराचार्य को विश्वगुरु बताते हुए उनके अद्वैत सिद्धांत को जीवन के लिए मार्गदर्शक बताया। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने 'एकात्म धाम' की संकल्पना की सराहना करते हुए कहा कि प्राणी मात्र में विद्यमान आत्म ही एकता का आधार है। ब्रह्म, भगवान और आत्मा एक ही तत्व के विभिन्न रूप हैं। विधायक नारायण पटेल, महापौर अमृता अमर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेड़े सहित कई जनप्रतिनिधि और संत-मनीषी उपस्थित रहे।

युवा बनेंगे 'शंकर दूत', वैश्विक स्तर पर गूंजेगा अद्वैत का संदेश

पंचदिवसीय 'एकात्म पर्व' के अंतर्गत वैचारिक सत्र, सांस्कृतिक आयोजन और वैदिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं।21 अप्रैल को आयोजित दीक्षा समारोह में देश-विदेश के 700 से अधिक युवा 'शंकर दूत' के रूप में संकल्प लेंगे।

ओंकारेश्वर बन रहा 'ग्लोबल सेंटर ऑफ वननेस'

एकात्म धाम परियोजना के तहत ओंकारेश्वर को वैश्विक एकात्मता केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां 108 फीट ऊंची आदि शंकराचार्य प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है, जबकि लगभग 2400 करोड़ रुपए की लागत से 'अद्वैत लोक' संग्रहालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जनवरी 2027 से आदि शंकराचार्य के जन्मस्थान से 'एकात्म यात्रा' प्रारंभ होगी, जिसका उद्देश्य देशभर में अद्वैत और एकात्मता के संदेश का प्रसार करना है।

एक नजर में

महिला पर चाकू से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

खंडवा। पंधाना थाना क्षेत्र में महिला से दुष्कर्म की कोशिश के बाद उसके सीने पर चाकू से वार करने वाले आरोपी आकाश पटेल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में लापरवाही सामने आने पर एक हेड कॉन्स्टेबल को भी सस्पेंड किया गया है, जिससे पुलिस कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना 11 अप्रैल की रात की है, जब पीड़िता घर में अकेली थी। आरोपी खिड़की की जाली तोड़कर अंदर घुसा और दुष्कर्म की कोशिश की। विरोध करने पर उसने महिला के सीने पर चाकू से हमला कर दिया। घायल महिला पिछले 6 दिनों से जिला अस्पताल में भर्ती है, जहां उसकी सर्जरी की जा चुकी है और हालत स्थिर बताई जा रही है। पीड़िता के पति ने आरोप लगाया कि पुलिस ने शुरुआती शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की। मामला मीडिया में आने के बाद देर रात आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास और जानलेवा हमले का केस दर्ज किया गया। इधर, भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र पटेल ने आरोपी से किसी भी रिश्तेदारी से इनकार करते हुए साफ कहा कि कानून अपना काम करे और आरोपी पर सख्त कार्रवाई हो। पुलिस की देरी और आरोपी की दरिंदगी ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ओंकारेश्वर में जयपुर से आए युवक को होमगार्ड जवानों ने नर्मदा में डूबने से बचाया

खण्डवा। शुक्रवार को ओंकारेश्वर में राजस्थान के जयपुर से आये 2 युवक सूर्यनारायण पिता बंशीधर उम्र 40 वर्ष और राजू पिता सुंदरराम उम्र 32 वर्ष ब्रह्मपुरी घाट पर स्नान करने के लिए गए, जो स्नान करते करते गहरे पानी में चले गये और डूबने लगे। शोर होने पर घाट पर तैनात एसडीईआरएफ जवान सेवक परिहार और हरिराम सोलंकी ने तुरंत नाव से रेस्क्यू किया, जिससे युवकों की जान बचाई जा सकी। दोनों युवकों ने जान बचाने के लिए होमगार्ड और एसडीईआरएफ जवानों का आभार प्रकट किया। होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री आशीष कुशवाहा ने बताया कि अमावस्या पर्व पर ओंकारेश्वर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या देखते हुए नर्मदा नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एसडीईआरएफ और होमगार्ड के जवानों को तैनात किया गया है।

जल संसाधन मंत्री सिलावट खण्डवा आएंगे

खण्डवा। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट शनिवार को बुरहानपुर से कार द्वारा खण्डवा आएंगे तथा गौरी कुंज सभागृह में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल होकर इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट शनिवार 18 अप्रैल को दोपहर दोपहर 3:30 बजे खण्डवा आएंगे तथा गौरी कुंज सभागृह में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कलेक्टर ने परिक्रमा पथ की व्यवस्थाएं देखीं

खण्डवा। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने शुक्रवार सुबह ओंकार पर्वत की परिक्रमा कर वहां सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान एसडीएम पुनासा पंकज वर्मा के अलावा पीडब्ल्यूडी, मध्यप्रदेश पर्यटन निगम, राजस्व विभाग, नगर परिषद ओंकारेश्वर के अधिकारी भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने ओंकार पर्वत पर संचालित विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परिक्रमा पथ पर स्थित आनंदमई आश्रम मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया और मार्ग पर हैवी रोलर चलाकर लेवलिंग कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने पर्यटन निगम के अधिकारियों को पथ में लगे गीता शिलालेखों को सुरक्षित रूप से वापस स्थापित कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जो शिलालेख पूर्व में क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, उनके स्थान पर नए शिलालेख लगाए जाएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने ओंकार पर्वत स्थित परिक्रमा पथ में बने यात्री विश्रामालय की साफ सफाई व रिपेयरिंग कराने के निर्देश भी उपस्थित अधिकारियों को दिए। उन्होंने राजस्व विभाग और नगर परिषद के अधिकारियों को ओंकार पर्वत पर अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सड़क के दोनों ओर पौधारोपण कराने के निर्देश भी इस दौरान दिए।

कृति पाटीदार ने किया कमाल, कॉमर्स में जिले में प्रथम स्थान

नवभारत न्यूज़

खंडवा। माध्यमिक शिक्षा मंडल के कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम में खंडवा की छात्रा कृति संजय पाटीदार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कॉमर्स संकाय में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कृति ने 95.6 प्रतिशत अंक हासिल कर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। कृति श्री रा. ना. उत्कृष्ट विद्यालय, खंडवा की छात्रा हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। शिक्षकों ने कृति की मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।परिजनों ने भी कृति की सफलता पर गर्व जताते हुए कहा कि यह उसकी निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

सिंचाई पाइप लाइन में गड़बड़ी का आरोप शिकायत के बावजूद नहीं किया सुधार

नवभारत न्यूज़

खंडवा। पोखरकलां के किसानों ने सिंचाई परियोजना के तहत डाली गई पाइप लाइन में गंभीर लापरवाही और अनियमितता का आरोप लगाया है। किसानों का कहना है कि निर्माण एजेंसी की अनदेखी के चलते ठेकेदार ने पाइपलाइन मात्र एक फीट गहराई में डाली, जिससे खेतों की जुताई के दौरान पाइप टूटकर बाहर आ रही है।

कृषक दिनेश पटेल के खेत का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पाइपलाइन क्षतिग्रस्त दिखाई दे रही है। किसानों ने इसे निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी और संभावित भ्रष्टाचार का परिणाम बताया है। किसानों का कहना है कि इस समस्या की जानकारी पूर्व में एसडीओ सोनी को भी दी गई थी, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक जवाब या कार्रवाई नहीं हुई, जिससे नाराजगी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ तो बारिश के मौसम में फसल को भारी नुकसान हो सकता है। किसानों ने भाम

मध्यम सिंचाई परियोजना, जिला खंडवा के अधिकारियों से मांग की है कि टूटी पाइपलाइन को हटाकर मानकों के अनुसार पुन: डलवाया जाए और कार्य किसानों की निगरानी में कराया जाए।

इनका कहना है...

परियोजना में कुछ स्थानों पर पाइपलाइन बाहर आ गई है। ठेकेदार का 5 वर्ष का मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट है। सूचना दे दी गई है, जल्द ही सुधार कार्य कराया जाएगा।

सोनीजी, एसडीओ,
भाम मध्यम सिंचाई परियोजना, खंडवा।

हाईकोर्ट ने ठुकराया सूचना के अधिकार वाला साक्ष्य, अब स्कूल रिकॉर्ड से खुलेगा राज

नवभारत न्यूज

खण्डवा। खण्डवा विधानसभा निर्वाचन 2023 के परिणाम को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर ने एक महत्वपूर्ण कानूनी व्यवस्था देते हुए याचिकाकर्ता को बड़ा झटका दिया है। कुंदन मालवीय बनाम कंचन तनवे प्रकरण की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया कि साक्ष्यों की प्रस्तुति में तकनीकी शुद्धता अनिवार्य है। याचिकाकर्ता की ओर से प्रतिवादी के वर्ष 2007 के जाति प्रमाण पत्र और पूर्व नामांकन पत्र को साक्ष्य के रूप में दर्ज करने की मांग की गई थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया।

तकनीकी खामी के चलते दस्तावेज हुए बाहर-

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में रेखांकित किया कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज सहायक लोक सूचना अधिकारी द्वारा जारी किए गए थे। कानूनन, सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त दस्तावेज केवल प्रमाणित प्रतियां होते हैं और इन्हें सीधे प्राथमिक साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। चूंकि याचिकाकर्ता ने इन्हें द्वितीयक साक्ष्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिए कोई औपचारिक आवेदन या मौखिक अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया था, इसलिए अदालत ने इन दस्तावेजों को प्रदर्श (E&hibit) के रूप में चिह्नित करने की अनुमति नहीं दी। अब ये कागजात याचिका की सुनवाई में साक्ष्य के तौर पर नहीं पड़े जा सकेंगे।

अब स्कूल रिकॉर्ड और गवाहों पर टिकी नजर-

दस्तावेजों के खारिज होने के बाद अब मामले की दिशा गवाहों के बयानों पर निर्भर हो गई है। न्यायालय ने पुनासा ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक विद्यालय पालमुद मल और शासकीय माध्यमिक विद्यालय खैगांव के प्रधानाध्यापकों को समन जारी कर तलब किया है। इन गवाहों को आगामी 6 और 7 मई 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर गवाही और जिरह का सामना करना होगा। इस न्यायप्रिय आदेश के बाद अब 6 मई की सुनवाई अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है, जहाँ शैक्षणिक अभिलेखों के माध्यम से मामले की विधिक स्थिति स्पष्ट होगी।

ग्राम मलगांव में विधिक साक्षरता शिविर

खण्डवा ग्राम पंचायत मलगांव में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खण्डवा के तत्वावधान में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खंडवा, पीयूष भावे एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में ग्रामीणजनों को विभिन्न महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर विस्तृत एवं सरल जानकारी दी गई। इस अवसर पर सचिव श्री पीयूष भावे ने अपने संबोधन में बाल विवाह निषेध कानून के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह एक दण्डनीय अपराध है और इसके विरुद्ध सख्त कानूनी प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इस सामाजिक कुरीति को समाप्त करने में सहयोग करें। श्री भावे ने बाल श्रम निषेध कानून की जानकारी देते हुए बताया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से श्रम कराना कानूनन अपराध है और इसके लिए कठोर दंड का प्रावधान है। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दिलावर सिंह ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, महिलाएं, बच्चे एवं अन्य पात्र व्यक्ति नि:शुल्क विधिक सहायता का लाभ उठा सकते हैं।

बाल विवाह में शामिल होना भी आपको ले जा सकता है जेल

नवभारत न्यूज़

खण्डवा। यदि आप किसी ऐसे विवाह समारोह का हिस्सा बनने जा रहे हैं जहाँ दूल्हा या दुल्हन नाबालिग हैं, तो सावधान हो जाइए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि बाल विवाह आयोजित करना ही नहीं, बल्कि उसमें अतिथि या सहायक के रूप में शामिल होना भी कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने नागरिकों को सचेत किया है कि बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत दोषी पाए जाने पर विवाह में सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी। अक्सर देखा जाता है कि लोग सामाजिक लोक-लाज या रिश्तों की दुहाई देकर बाल विवाह में शिरकत करते हैं, लेकिन अब प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि कानून की नजर में यह अपराध को मौन सहमति देना है। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे ऐसे आयोजनों का न केवल बहिष्कार करें, बल्कि इसकी सूचना प्रशासन को देकर एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभाएं। उन्होंने जोर दिया कि लड़की के लिए 18 वर्ष और लड़के के लिए 21 वर्ष की न्यूनतम आयु सीमा का पालन करना अनिवार्य है।महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी रत्ना शर्मा के अनुसार, बाल विवाह रोकने के लिए त्रिस्तरीय निगरानी तंत्र बनाया गया है। इसमें शादी के कार्ड छापने वाले मुद्रकों को भी सख्त हिदायत दी गई है कि वे आयु सत्यापन के बिना पत्रिका न छापें। यदि कहीं भी नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 0733-2243116 जारी किया गया है। सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गुप्त रखा जाएगा, ताकि वे बिना किसी डर के बचपन को सुरक्षित करने में मदद कर सकें।

एक नजर में — राठौर सकल पंच ट्रस्टी चुनाव-आज डलेंगे वोट

समाज के दिग्गजों के बीच चुनावी घमासान

नवभारत न्यूज़

खंडवा। शहर के प्रतिष्ठित राठौर सकल पंच के ट्रस्टी पदों के लिए कल, 18 अप्रैल को चुनावी रण सजने जा रहा है। नीलकंठेश्वर कॉलेज (एस.एन. कॉलेज) में होने वाले इस मतदान को लेकर समाज के विभिन्न गुटों और प्रत्याशियों के बीच जबरदस्त उत्साह और मुकाबला देखने को मिल रहा है। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलने वाले इस मतदान में समाज के मतदाता अपने नए प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। मैदान में दिग्गजों की फौज-ट्रस्टी पदों के लिए बड़ी संख्या में प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें समाज के अनुभवी बुजुर्गों से लेकर ऊर्जावान युवा चेहरे शामिल हैं। चुनावी मैदान में प्रमुख रूप से वरिष्ठ वर्ग-गोविंद राठौर, रमेशचंद छज्जूलाल राठौर, बद्री चंद राठौर (रिटायर्ड इंजीनियर), और गिरीश राठौर जैसे अनुभवी चेहरे अपना भाग्य आजमा रहे हैं। व्यवसायी वर्ग -खाद-बीज व्यवसाय से जुड़े सुभाष राठौर और दीपक राठौर, रियल एस्टेट से कमलेश राठौर, और फर्नीचर व्यवसाय से संदीप राठौर जैसे प्रतिष्ठित व्यापारी चुनावी दौड़ में हैं। युवा और पेशेवर- पत्रकार अमित राठौर, एडवोकेट महेश राठौर, प्रदीप राठौर और भावेश राठौर जैसे युवा प्रत्याशी समाज की सेवा के संकल्प के साथ वोट मांग रहे हैं।

समाज के विकास पर जोर- चुनावी प्रचार के दौरान प्रत्याशियों ने समाज के ट्रस्ट को पारदर्शी बनाने, सामाजिक संपत्तियों के उचित रखरखाव और शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में समाज के पिछड़े परिवारों की मदद करने जैसे वादों पर जोर दिया है। सोशल मीडिया से लेकर व्यक्तिगत जनसंपर्क के जरिए प्रत्याशी भारी से भारी मतों से विजयी बनाने की अपील कर रहे हैं।

सुरक्षा और व्यवस्था की तैयारी-नीलकंठेश्वर कॉलेज परिसर में मतदान के लिए प्रशासन और समाज की चुनाव समिति ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल और छाया की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद मतगणना और परिणामों की घोषणा होने की संभावना है, जिस पर पूरे

प्रत्याशियों की लंबी फेहरिस्त

जारी सूची के अनुसार, चुनाव में विभिन्न क्रमांकों पर प्रत्याशी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से महेशचंद्र राठौर (क्रमांक 1), सुरेश राठौर (क्रमांक 2), मुकेश राठौर (क्रमांक 3), मुकेश राठौर (क्रमांक 4) राजेश राठौर (क्रमांक 5), दीपेंद्र राठौर (क्रमांक 6), अशोक राठौर (क्रमांक 7), राहुल राठौर (क्रमांक 8), दीपक राठौर (क्रमांक 9), अमित राठौर (क्रमांक 12) सुभाष राठौर (क्रमांक 13) और विजय राठौर (क्रमांक 14) सहित कई अन्य नाम शामिल हैं।